

## पुरी हेरटिज कॉरडोर परियोजना

### प्रलमिस के लयि:

जगन्नाथ मंदरि, पुरी हेरटिज कॉरडोर परियोजना, नःशुलक योजना, AMSAR अधनियिम ।

### मेन्स के लयि:

वरिसत स्थलों का संरक्षण, उत्खनन परियोजनाओं में वविाद, भारत की मंदरि वास्तुकला, AMSAR अधनियिम ।

## चर्चा में क्यों?

पुरी में ओडशिया सरकार की महत्त्वाकांक्षी मंदरि गलयारा परियोजना राजनीतिक वविाद का वषिय बन गई है ।

## पुरी हेरटिज कॉरडोर परियोजना:

- यह पुरी में जगन्नाथ मंदरि सहति एक अंतरराष्ट्रीय वरिसत स्थल बनाने के लयि ओडशिया सरकार की पुनरवकिस परियोजना है । हालाँकि इसकी कल्पना वर्ष 2016 में की गई थी, लेकनि इसका अनावरण दसिंबर 2019 में कथिया गया ।
- इस अम्बरेला प्रोजेक्ट के तहत श्री जगन्नाथ हेरटिज कॉरडोर या श्री मंदरि परकिरमा परियोजना के क्षेत्र आते हैं ।
- इस परियोजना में श्री जगन्नाथ मंदरि प्रशासन (एसजेटीए) भवन पुनरवकिस, एक 600-क्षमता वाला श्री मंदरि स्वागत केंद्र, पुरी झील, मूसा नदी पुनरुद्धार योजना आदि शामिल हैं ।
- ओडशिया सरकार ने मंदरि के आसपास के क्षेत्र के सुधार के लयि तीन उद्देश्यों को सूचीबद्ध कथिया है- मंदरि की सुरक्षा, भक्तों की सुरक्षा और भक्तों के लयि धार्मिक माहौल का नरिमाण ।
- सरकार ने पुरी (ABADHA) योजना में बुनयिादी सुवधिओं के वकिस एवं वरिसत और वास्तुकला के वकिस से संबंधति परियोजना के लयि धन आवंटति कथिया है ।
  - ABADHA योजना में श्री जगन्नाथ मंदरि और उसके आसपास बेहतर सुवधिएँ प्रदान करने के लयि भूमिअधग्रहण शुल्क/पुनरवास और सड़क सुधार शामिल हैं ।

## परियोजना वविाद का वषिय क्यों बन गई है?

- वशिषज्जों और नागरिक समाज के सदस्यों ने 12 वीं शताब्दी के मंदरि पर प्रतिकूल प्रभाव की संभावना का हवाला देते हुए खुदाई के लयि भारी मशीनरी के उपयोग पर आपत्तजिताई ।
- इस बारे में सवाल उठाए जाने लगे कि कथिया मंदरि के चारों ओर नरिमाण के लयि उचित अनुमतयिों और मंजूरी ली गई थी ।
- जगन्नाथ मंदरि को [भारतीय पुरातत्त्व संरक्षण](#) द्वारा राष्ट्रीय महत्त्व का स्मारक नामति कथिया गया है और यह एक केंद्रीय संरक्षति स्मारक है ।
- मंदरि के 100 से 200 मीटर क्षेत्र के भीतर बड़े पैमाने पर वधिवंस और नरिमाण कार्य हो रहे हैं जो प्राचीन स्मारक व पुरातात्त्विक स्थल और अवशेष (संशोधन एवं सत्यापन) अधनियिम (AMSAR), 2010 द्वारा नषिदिध है ।

## प्राचीन स्मारक व पुरातत्त्व स्थल और अवशेष (संशोधन एवं मान्यता) अधनियिम (AMSAR), 2010:

- AMSAR (संशोधन और मान्यता) अधनियिम के अनुसार, संरक्षति क्षेत्र के 100 मीटर की परधि के भीतर नरिमाण कार्य नषिदिध है ।
- स्मारक के चारों ओर 200 मीटर तक फैले क्षेत्र को वनियिमति क्षेत्र कहा जाता है ।
- AMSAR अधनियिम के प्रावधानों के अनुसार, संस्कृति मंत्रालय के तहत वर्ष 2011 में स्थापति राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण (NMA) पर ऐसी साइट की परधि में नषिदिध और वनियिमति क्षेत्र का प्रबंधन करके ASI-संरक्षति साइटों की सुरक्षा एवं संरक्षण का प्रभार है ।
- यदा एक वनियिमति या नषिदिध क्षेत्र में नरिमाण कार्य कथिया जाना है, तो NMA से अनुमतिलेना आवश्यक है ।

- AMSAR अधिनियम में परभाषित "नरिमाण" शब्द में सार्वजनिक शौचालयों, मूत्रालयों और "समान सुवधाओं" का नरिमाण शामिल नहीं है।
  - इसमें पानी, बजिली की आपूर्ति या "प्रचार के लिये समान सुवधाओं का प्रावधान" के कार्य शामिल नहीं हैं।
- इसके अलावा यदि स्मारक का नरिमति क्षेत्र 5,000 वर्ग मीटर से अधिक है, तो स्मारक के चारों ओर विकास से पहले NMA द्वारा एक प्रभाव मूल्यांकन किया जाना भी आवश्यक है।

## जगन्नाथ मंदिर की विशेषताएँ:

- ऐसी मान्यता है कि इस मंदिर का नरिमाण 12वीं शताब्दी में पूर्वी गंग राजवंश (Eastern Ganga Dynasty) के राजा अनंतवर्मन चोडगंग देव द्वारा किया गया था।
- पुरी स्थिति जगन्नाथ मंदिर को 'यमनिका तीर्थ' भी कहा जाता है, हद्वि मान्यताओं के अनुसार, पुरी में भगवान जगन्नाथ की उपस्थिति के कारण मृत्यु के देवता 'यम' की शक्ति समाप्त हो गई है।
- इस मंदिर को "सफेद पैगोडा" कहा जाता था और यह चारधाम तीर्थयात्रा (बद्रीनाथ, द्वारका, पुरी, रामेश्वरम) का हिस्सा है।
- मंदिर के चार (पूर्व में 'सहि द्वार', दक्षिण में 'अश्व द्वार', पश्चिम में 'व्याघरा द्वार' और उत्तर में 'हस्ताद्वार') मुख्य द्वार हैं। प्रत्येक द्वार पर नक्काशी की गई है।
- इसके प्रवेश द्वार के सामने अरुण स्तंभ या सूर्य स्तंभ स्थिति है, जो मूल रूप से कोणार्क के सूर्य मंदिर में स्थापित था।



## ओडिशा के अन्य महत्त्वपूर्ण स्मारक:

- [कोणार्क सूर्य मंदिर](#) (यूनेस्को विश्व वरिसत स्थल)
- [तारा तारिणी मंदिर](#)
- [लगिराज मंदिर](#)
- [उदयगिरि और खंडगिरि गुफाएँ](#)

## यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्षों के प्रश्न (PYQ):

प्रश्न. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिये:

सूची I (प्रसदिध मंदिर) सूची II (राज्य)

- A. वदियाशंकर मंदिर 1. आंध्र प्रदेश  
 B. राजरानी मंदिर 2. कर्नाटक  
 C. कंदरिया महादेव मंदिर 3. मध्य प्रदेश  
 D. भीमेश्वर मंदिर 4. ओडिशा

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

A B C D

- (a) 2 4 3 1  
 (b) 2 3 4 1

(c) 1 4 3 2  
(d) 1 3 4 2

उत्तर: (a)

स्रोत: द हद्दू

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/puri-heritage-corridor-project-1>

